कुलगुरु ने किया स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन, डॉ सुभाष चंद्र बलवदा मौजूद रहे। डॉ धवन ने कृषि संग्रहालय में दर्शाई गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न अनुसंधान, शोध उपलब्धियां, शैक्षणिक तथा प्रसार शिक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को इस संग्रहालय में चित्रों तथा मॉडल्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा किये जाए जा रहे कार्यों तथा अनुसंधान गतिविधियों को एक स्थान पर संग्रहित करते हुए भ्रमण के लिए आने वाले किसानों, विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों से परिचित करवाना है। कुलगुरु ने कृषि संग्रहालय में संग्रहित और प्रदर्शित गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय विश्वविद्यालय के एक मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे अधिकाधिक किसान तथा विद्यार्थी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व कार्यों से परिचित हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों, सफलता की कहानियों, कृषि विज्ञान केंद्रों की गतिविधियों के भी नियमित अपडेटेड प्रदर्शन की बात कही।

आम सूचना

काजरी में किसानों के लिए तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का शुरू

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान 'काजरी' के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बीकानेर में 'सहजन आधारित कृषि प्रणाली' विषय पर तीन दिवसीय कृषक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नाबार्ड वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों को सहजन आधारित कृषि प्रणाली अपनाकर सतत एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के अनुसंधान निदेशक डॉ. एन.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सहजन एक बहुउपयोगी एवं अत्यंत लाभकारी वृक्ष है, जिसके बीज, पत्तियां, जड़, तना, छाल तथा लकड़ी का उपयोग खाद्य, औषधि, कृषि, पशुपालन, जल शोधन तथा विभिन्न औद्योगिक कार्यों में किया जाता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में सहजन आधारित कृषि प्रणाली किसानों के लिए आय एवं पोषण सुरक्षा का सशक्त माध्यम बन सकती है। काजरी के अध्यक्ष डॉ. नवरत्न पंवार ने कहा कि यह परियोजना बीकानेर जिले के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने किसानों से सहजन आधारित कृषि प्रणाली अपनाकर आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मोरिंगा एक बहुउद्देशीय पौधा है, जिसका उपयोग भोजन एवं औषधि दोनों रूपों में किया जाता है। यह अत्यधिक पौष्टिक होने के साथ-साथ अधिक बायोमास उत्पादन की क्षमता भी रखता है। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक डॉ. वीरबल ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बीकानेर जिले की विभिन्न तहसीलों से 25 किसान भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के उपरांत प्रत्येक प्रतिभागी किसान को 100 सहजन के पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत अब तक जिले के 500 से अधिक किसानों को प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा इच्छुक किसानों को पौध वितरण भी किया जा रहा है।

कुलगुरु ने स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन कर दिए आवश्यक निर्देश

>> कहा- कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा की नियमित गतिविधियों को समाहित कर मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए संग्रहालय

बुलंद राजस्थान

बीकानेर। कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन, डॉ सुभाष चंद्र बलवदा मौजूद रहे। डॉ धवन ने कृषि संग्रहालय में दर्शाई गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न अनुसंधान , शोध उपलब्धियां, शैक्षणिक तथा प्रसार शिक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को इस संग्रहालय में चित्रों तथा मॉडल्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा किये जाए जा रहे कार्यों तथा अनुसंधान गतिविधियों को एक स्थान पर संग्रहित करते हुए भ्रमण के लिए आने वाले किसानों, विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों से परिचित करवाना है। कुलगुरु ने कृषि संग्रहालय में संग्रहित और प्रदर्शित गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय विश्वविद्यालय के एक मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे अधिकाधिक किसान तथा विद्यार्थी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व कार्यों से परिचित हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों , सफलता की कहानियों ,कृषि विज्ञान केंद्रों की गतिविधियों के भी नियमित अपडेटेड प्रदर्शन की बात कही। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसान और विद्यार्थी इस संग्रहालय का भ्रमण करें इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार हों। स्थानीय तथा ग्रामीण स्कूली विद्यार्थियों को भी संग्रहालय भ्रमण के लिए प्रेरित किया जाए।

कुलगुरु ने स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन कर दिए आवश्यक निर्देश

कहा- कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा की नियमित गतिविधियों को समाहित कर मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए संग्रहालय

बीकानेर, (निसं)। कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन, डॉ सुभाष चंद्र बलवदा मौजूद रहे। डॉ धवन ने कृषि संग्रहालय में दर्शाई गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न अनुसंधान , शोध उपलब्धियां, शैक्षणिक तथा प्रसार शिक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को इस संग्रहालय में चित्रों तथा मॉडल्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा किये जाए जा रहे कार्यों तथा अनुसंधान गतिविधियों को एक स्थान पर संग्रहित करते हुए भ्रमण के लिए आने वाले किसानों,विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों से परिचित करवाना है। कुलगुरु ने कृषि संग्रहालय में संग्रहित और प्रदर्शित गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय विश्वविद्यालय के एक मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे अधिकाधिक किसान तथा विद्यार्थी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व कार्यो से परिचित हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों, सफलता की कहानियों, कृषि विज्ञान केंद्रों की गतिविधियों के भी नियमित अपडेटेड प्रदर्शन की बात कही। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसान और विद्यार्थी इस संग्रहालय का भ्रमण करें इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार हों। स्थानीय तथा ग्रामीण स्कूली विद्यार्थियों को भी संग्रहालय भ्रमण के लिए प्रेरित किया जाए।

कृषि संग्रहालय का अवलोकन कर दिए आवश्यक निर्देश

बीकानेर @ पत्रिका. कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन, डॉ. सुभाष चंद्र बलवदा मौजूद रहे। डॉ. धवन ने कृषि संग्रहालय में दर्शाई गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कुलगुरु ने कृषि संग्रहालय में संग्रहीत और प्रदर्शित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय विश्वविद्यालय के एक मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे अधिकाधिक किसान तथा विद्यार्थी विवि की उपलब्धियों व कार्यों से परिचित हो सके।